दैनिक भास्कर

नया रायपुर में भी सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट निजी कंपनी को

एजेंसी तय करने एनआरडीए ने जारी किया टेंडर, नए शहर को साफ रखने आईआईटी मुंबई बना रहा है सिस्टम

ट्रांसपोर्ट रिपोर्टर| रायपुर

आठ हजार हेक्टेयर में फैले नया रायपुर में अब सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट (ठोस अपशिष्ट प्रबंधन) लागू करने की तैयारी है। कौन सी कंपनी यह काम करेगी, यह तय करने के लिए एनआरडीए ने टेंडर जारी किया है। अधिकतम दो साल का एग्रीमेंट होगा। स्मार्ट शहर की जरूरतों और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए आईआईटी मुंबई बड़ी रिपोर्ट बना रही है। उसकी अनुशंसा पर ही एजेंसी तय होगी। आईआईटी मुंबई की एक टीम हाल ही में नया रायपुर का सर्वे करके लौटी है। एनआरडीए की योजना में यह तय है कि कचरा उठाने के एवज में लोगों से कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं लिया जाएगा। अनुमान है कि नया रायपुर में हर रोज 28 घनमीटर ठोस अपशिष्ट एकत्र हो रहा है। इसमें राजधानी परिसर और रिहायशी क्षेत्रों का कचरा शामिल है। आने वाले सालों में यह मात्रा बढ़ती जाएगी। इसी को ध्यान में रखकर एनआरडीए अभी से तैयारी कर रहा है। नया रायपुर में अभी तक सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के लिए कोई स्थाई इंतजाम नहीं है। एजेंसी तय होने के बाद वह शहर को सेक्टरों में बांटकर डोर टू डोर घरेलू कचरा एकत्र करवाएगी। दूसरी ओर हाउसिंग बोर्ड व बिल्डरों की कॉलोनियों में घरों से निकलने वाला कचरा तय कलेक्शन प्वाइंट से इकट्ठा किया जाएगा। शासकीय कार्यालयों, प्रतिष्ठानों, संस्थानों और व्यावसायिक परिसरों से कचरा डंपिंग यार्ड तक ले जाया जाएगा।

टेंडर में शर्त, बंद गाड़ियों से होगी कचरे की ढुलाई

टेंडर में शर्त जुड़ी है कि शहर की सफाई के लिए जो वाहन सड़कों पर चलेंगे, उनका कचरा नहीं गिरना चाहिए। इसके लिए एजेंसी को रिफ्यूज कांपेक्टर वाले वाहन (पूरी तरह से बंद) से ही कचरे की ढुलाई करनी होगी। सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट में मेडिकल अपशिष्ट शामिल नहीं है।